ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-१४
दिनांक-मंगलवार,१६ फरवरी,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २३.६ एवं १२.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ सुबह में एवं दोपहर में ५८ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १५.५ एवं दोपहर में २३.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(२० से २४ फरवरी, २०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २० से २४ फरवरी, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। हँलाकि इस अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान १० से १२ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ७-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए अगात सरसों की तैयार फसलों की कटाई, झड़ाई एवं सुखाने का कार्य करें। अगात आलू की तैयार फसल की खुदाई करें। खुदाई के १५ दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दे। आलू की फसल जो कृषक बंधु बीज के लिए रखना चाहते हैं उसकी ऊपरी लत्तर की कटाई कर दें।
- पिछात बोयी गयी सरसों की फसल में लाही कीड़ों के प्रकोप का अनुकुल समय चल रहा है। अतः सरसों में इस कीट की निगरानी करें। यह सुक्ष्म आकार का कीट है, जो पौधो पर स्थायी रुप से चिपके रहते है एवं पौधो की जड़ो को छोड़कर शेष सभी मुलायम भागो, तने व फलीयों का रस चुसते है। ये कीट मधु-स्त्राव निकालते है, जिससे पौधे पर फंगस का आक्रमण हो जाता है तथा जगह-जगह काले धब्बे दिखाई देते है। ग्रसित पौधों में शाखाएँ कम लगती हैं। पौधे की बढ़वार रुक जाती है। पौधे पीले पड़कर सुखने लगते है। फलीयाँ कम लगती है तथा तेल की मात्रा में भारी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर समान रुप से फसल में छिड़काव करें।
- प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट की देख-रेख करें। यह प्याज को नुकसान पहुँचानेवाला मुख्य कीट है। तापमान में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ फसल में इस कीट की सक्रियता में वृद्धि होती है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों का ऊपरी हिस्सा टेढ़ा-मेढा हो जाता है। पत्तियों पर दाग सा दिखाई देता है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। जिससे उपज में काफी कमी आती है। थ्रीप्स की संख्या फसल में अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- पिछले कई वर्षो से अप्रैल-मई माह में तापमान में काफी वृद्धि देखी गई है। इसको देखते हुए किसान भाई गरमा मक्का की बुआई के लिए वैसी निचली भूमि का चयन करें जहाँ सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित हों। गरमा मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर १०-१५ टन गोबर की खाद, ५० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा ११, शक्तिमान १,२,३,४ एवं शक्तिमान ५ किस्में अनुशंसित है। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें। बुआई से पूर्व मिट्टी में प्रयाप्त नमी की जाँच अवश्य कर लें।
- रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें।
- अगात बोयी गई गेहूँ की दाना बनने से दुध भरने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी का विशेष ध्यान रखें। इस अवस्था में नमी की कमी रहने से उपज में कमी आती है।
- गरमा सब्जियों जैसे-भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ की बुआई के लिए मौसम अनुकुल है। भिंडी के लिए *परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के०एस०-३१२* लौकी के लिए *राजेन्द्र चमत्कार, पूसा समर प्रौलिफिक लाँग, पूसा समर प्रौलिफिक राउंड* नेनुआ के लिए *राजेन्द्र नेनुआ-१, पूसा चिकनी पूसा प्रिया, कल्याणपुर चिकनी* करेला के लिए *पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कोयम्बटूर लाँग, पंत करेला और कल्याणपुर बारहमासी* अनुशंसित किस्में हैं। बीज की खरीदारी प्रमाणित स्त्रोत से करें। स्वस्थ फसल के लिए बीज को सदैव उपचारित कर बुआई करें। बुआई से पूर्व मिट्टी में प्रयाप्त नमी की जाँच अवश्य कर लें। नमी के अभाव में बीजो का अंकुरण प्रभावित हो सकता है।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। सूर्यमुखी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें।

आज का अधिकतम तापमानः २४.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.७ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १०.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.४ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी